



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 242]

नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 8, 2015/आषाढ़ 17, 1937

No. 242]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 8, 2015/ASHADHA 17, 1937

## महापत्तन प्रशुल्क प्राधिकरण

शुद्धि-पत्र

(जुलाई, 2015 के दूसरे वे दिन को पारित)

मुम्बई, 3 जुलाई, 2015

सं. टीएएमपी/21/2009-डब्ल्यूएस प्राधिकरण, महापत्तन न्यास अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 50 (ग) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए और महापत्तन न्यासों के लिए प्रशुल्क निर्धारण नीति, 2015 के खण्ड 1.5 के अनुपालन में महापत्तन न्यासों के लिए प्रशुल्क नीति, 2015 के कार्यान्वयन के लिए कार्यकारी दिशा-निर्देशों को अधिसूचित किया गया था। उपरोक्त कार्यकारी दिशा-निर्देश भारत सरकार के राजपत्र असाधारण (भाग-3 खण्ड 4) में राजपत्र संख्या 207 में 4 जून, 2015 को अधिसूचित किये गए थे।

2. 4 जून, 2015 को अधिसूचित कार्यकारी दिशा-निर्देशों से संलग्न प्रपत्र-1 में नोट 2(ii) के दूसरे वाक्य में "शामिल किया जाए" के स्थान पर गलती से शब्द "शामिल न किया जाए" का उल्लेख कर दिया गया था। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, प्रपत्र-1 की टिप्पणी 2(ii) में अशुद्धि सुधार के लिए निम्नलिखित संशोधन किया जाता है।

प्रपत्र-1	जैसा अधिसूचना में है	निम्नानुसार पढ़ा जाए।
प्रपत्र 1 के नीचे दी गई टिप्पणी	(ii) एक बारगी व्ययों के असमावेशन का संमजन प्रशुल्क नीति 2015 के खंड 2.2 (iii) के अनुरूप किया जाना चाहिए। वेतन में संशोधन आदि होने के कारण औसतन व्यय की	(ii) एक बारगी व्ययों के असमावेशन का संमजन प्रशुल्क नीति 2015 के खंड 2.2 (iii) के अनुरूप किया जाना चाहिए। वेतन में संशोधन आदि होने के कारण औसतन व्यय की परिगणना के

संख्या2(ii)	परिगणना के लिए वेतन का बकाया, पेंशन/उपदान, अनुग्रह राशि का बकाया भुगतान जैसे से एक बारगी व्यय के 1/5 भाग को शामिल न किया जाए। अर्थात् यदि उपर क्रम सं0 2(iii) पर एक बारगी व्यय के 4/5 भाग को शामिल न करने के लिए तीन वर्ष में से केवल एक वर्ष विशेष की दी गई है तो उपर क्रम सं0 2 (iii) पर दिए गए आंकड़ों को, क्रम सं0 4 पर औसत व्यय की गणना के लिए औसत नहीं माना जाए। यदि क्रम सं0 2(iii) तीन में से दो वर्षों की संख्याएं दी गई हैं तो औसत व्यय की गणना के लिए क्रम सं 4 पर अन्ततः 2 वर्षों की औसत लेनी चाहिए।	लिए वेतन का बकाया, पेंशन/उपदान, अनुग्रह राशि का बकाया भुगतान जैसे से एक बारगी व्यय के 1/5 भाग को शामिल किया जाए। अर्थात् यदि उपर क्रम सं0 2(iii) पर एक बारगी व्यय के 4/5 भाग को शामिल न करने के लिए तीन वर्ष में से केवल एक वर्ष विशेष की दी गई है तो उपर क्रम सं0 2 (iii) पर दिए गए आंकड़ों को, क्रम सं0 4 पर औसत व्यय की गणना के लिए औसत नहीं माना जाए। यदि क्रम सं0 2(iii) तीन में से दो वर्षों की संख्याएं दी गई हैं तो औसत व्यय की गणना के लिए क्रम सं 4 पर अन्ततः 2 वर्षों की औसत लेनी चाहिए।
-------------	--	---

टी.एस. बालासुब्रमनियन, सदस्य (वित्त)

[विज्ञापन III/4/असा./143/2015 (128)]

## Tariff Authority for Major Ports

### CORRIGENDUM

(Passed on this 2<sup>nd</sup> day of July 2015)

Mumbai, 3rd July, 2015

**No. TAMP/21/2009-WS.**— This Authority had in exercise of the powers conferred under Section 50(c) of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) and in compliance of Clause 1.5 of the “Policy for Determination of Tariff for Major Port Trusts, 2015 notified Working Guidelines to operationalize the Policy for Determination of Tariff for Major Port Trusts, 2015. The said Working Guidelines was notified in the Gazette of India Extraordinary (Part III Section 4) on 4 June 2015 vide Gazette No.207.

2. The second sentence of Note 2(ii) in Form – 1 attached to the Working Guidelines notified on 4 June 2015 inadvertently mentions the word as “excluded” instead of “included”. In view of above, Note 2(ii) in Form – 1 is corrected as follows to rectify the inadvertent error:

Form 1	As appeared in the Notification	To be read as follows
Note No 2(ii) given below the Form 1	(ii)The adjustments for exclusion of one time expenses should be done in line with clause 2.2(iii) of the Tariff Policy 2015.	(ii)The adjustments for exclusion of one time expenses should be done in line with clause 2.2(iii) of the Tariff Policy 2015. While

	<p>While computing the average expenses, 1/5th of the one time expenses like arrears of wages, arrears of pension/ gratuity, arrears of ex-gratia payments arising out of wage revision etc., should be <b>excluded</b>. This means, if the figure at SI No . 2(iii) above for exclusion of 4/5th of one time expenses is reported only for one particular year out of three years , then, the figure at SI No 2(iii) should be considered as it is without averaging that figure at SI No 4 for computing the average expenses. If the figures at Sr. No 2(iii) above are reported for two out of three years, then average of two years should be finally captured while computing the average expenses at SI. No 4.</p>	<p>computing the average expenses, 1/5th of the one time expenses like arrears of wages, arrears of pension/ gratuity, arrears of ex-gratia payments arising out of wage revision etc., should be <b>included</b>. This means, if the figure at SI No . 2(iii) above for exclusion of 4/5th of one time expenses is reported only for one particular year out of three years , then, the figure at SI No 2(iii) should be considered as it is without averaging that figure at SI No 4 for computing the average expenses. If the figures at Sr. No 2(iii) above are reported for two out of three years, then average of two years should be finally captured while computing the average expenses at SI. No 4.</p>
--	--	--

**T.S. Balasubramanian, Member (Finance)**

[ADVT. III/4/Exty./143/2015/(128)]